XI | Practical | Theory - HH

# STUDY MATERIAL

## B.A. III (H) Paper-6

## INTERVIEW METHOD

BY — BAKHTEYAR FATMI

(1)

Ques: Define Interview and discuss the sources of error in Interview.

सामाजिक अनुसंधान में तथ्य संकलन की विधियों में साक्षात्कार एक प्रचलित विधि है। ALLPORT ने ठीक ही कहा है कि — "यदि आप जानना चाहते हैं कि लोग क्या महसूस करते हैं, क्या अनुभव करते हैं और क्या स्मरण रखते हैं, उनकी भावनाएं एवं प्रेरणाएं क्या हैं तथा कोई व्यवहार करने का क्या कारण है ------ तो आप उन्हीं से क्यों नहीं पूछ लेते?" वास्तविकता तो यह है कि साक्षात्कार उत्तरदाता के शाब्दिक प्रत्युत्तर पर निर्भर करता है। यह तथ्य संकलन की मौखिक विधि है।

तथ्य संकलन की विधि के रूप में साक्षात्कार में एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से वार्तालाप द्वारा सूचनाएं प्राप्त करता है। साक्षात्कार सोद्देश्य वार्तालाप है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे से सूचना संकलित करता है। विभिन्न विद्वानों ने इसकी अलग-अलग परिभाषाएं दी हैं। MACCOBY AND MACCOBY के अनुसार — "साक्षात्कार आमने-सामने की स्थिति में शाब्दिक अंतःक्रिया है, जिसमें एक व्यक्ति या साक्षात्कारकर्ता दूसरे व्यक्ति या व्यक्तियों से उनके विचार या विश्वास सम्बंधी सूचनाएं जानने का प्रयास करता है। KERLINGER ने कहा है कि — "साक्षात्कार अंतर्वैयक्तिक एवं सम्मुख भूमिका की स्थिति है, जिसमें साक्षात्कारकर्ता दूसरे व्यक्ति या उत्तरदाता से ऐसे प्रश्न पूछता है, जो शोध समस्या के उद्देश्य के लिए उपयुक्त हों।" इसी प्रकार साक्षात्कार की एक संतोषजनक परिभाषा देते हुए P.V. YOUNG ने लिखा है कि — "साक्षात्कार एक ऐसी क्रमबद्ध विधि है, जिसके द्वारा एक व्यक्ति कल्पना द्वारा अपेक्षाकृत अजनबी के जीवन में प्रवेश पाता है।" इसका अर्थ यह है कि साक्षात्कार एक गहन विधि है।

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि साक्षात्कार एक उद्देश्यपूर्ण तथा व्यवस्थित वार्तालाप है जिसमें प्रश्नकर्ता शोध उद्देश्यों के अनुसार तथ्य, विश्वास, मनोवृत्ति, अनुभव एवं विचारों से संबद्ध सूचनाएं उत्तरदाता से प्राप्त करता है। संक्षेप में, साक्षात्कार विधि की निम्नलिखित विशेषताएं

Scanned with CamScanner

हैं:—

1. साक्षात्कार में दो पक्ष होते हैं — साक्षात्कारकर्ता एवं उत्तरदाता।

2. दोनों पक्षों के बीच उद्देश्यपूर्ण वार्तालाप होता है। लेकिन, साक्षात्कार केवल वार्तालाप ही नहीं है, बल्कि यह दोनों पक्षों के बीच एक सामाजिक अंतःक्रिया को स्पष्ट करती है। GOODE AND HATT ने शायद इसीलिए कहा है कि — " मौलिक रूप से साक्षात्कार सामाजिक अंतःक्रिया की एक प्रक्रिया है। "

3. यह वार्तालाप मुख्यतः आमने-सामने की स्थिति में किया जाता है। वैसे आजकल टेलीफोन पर भी साक्षात्कार किए जाते हैं। किन्तु वह संक्षिप्त तथा प्रायः भिन्न स्वरूप लिए होते हैं।

4. साक्षात्कार का निश्चित उद्देश्य होता है, जो मुख्य रूप से तथ्य-संकलन है।

5. साक्षात्कार एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया भी है, जिसके आधार पर शोधकर्ता उत्तरदाता से अधिक गहन एवं आंतरिक सूचनाएं प्राप्त कर सकता है। YOUNG ने इस विशेषता पर अधिक बल दिया है।

6. साक्षात्कार तथ्य-संकलन की एक स्वतंत्र विधि-मात्र नहीं है, बल्कि यह अन्य विधियों के साथ भी प्रयुक्त हो सकती है और उनकी पूरक विधि है। जैसे, अवलोकन विधि में भी साक्षात्कार विधि का ~~प्रकार~~ प्रयोग एक पूरक विधि के रूप में किया जा सकता है।

7. साक्षात्कार विधि के तीन उद्देश्य हैं — उपकल्पना की खोज, तथ्य-संकलन तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन।

सामाजिक शोध में तथ्य-संकलन की अन्य विधियों — अवलोकन, प्रश्नावली आदि की तुलना में साक्षात्कार विधि की कई विशेषताएं हैं, फिर भी इसमें कुछ दोष भी हैं। संक्षेप में, साक्षात्कार विधि में कई त्रुटियां हैं जिनके स्रोतों के बारे में विद्वानों में मतभेद है। त्रुटियों के स्रोत का आशय उन कारणों से है जो साक्षात्कार में त्रुटि उत्पन्न करते हैं। सभी त्रुटियों को हम दो भागों में बांट कर अध्ययन कर सकते हैं:—

1. उत्तरदाता के कारण उत्पन्न त्रुटियां (errors due to respondent): उत्तरदाता साक्षात्कार के दौरान स्वयं

कई गलतियों या दोषपूर्ण उत्तरों का जिम्मेदार हो सकता है, जैसे —

(i) वह साक्षात्कारी के बारे में एक पूर्वधारणा बना लेता है और उसी के अनुरूप अपना उत्तर देता है। JAHODA ने उदाहरणस्वरूप कहा है कि एक यहूदी उत्तरदाता यहूदी एवं गैर-यहूदी साक्षात्कारी को भिन्न-भिन्न उत्तर देता है, या नीग्रो उत्तरदाता एक नीग्रो साक्षात्कारी को अपनी प्रजाति के बारे में वही सूचनाएं नहीं देता है जो एक गोरे साक्षात्कारी को देता है।

(ii) उत्तरदाता की स्मरणशक्ति भी उसे धोखा देती है और वह अंजाने में भी गलत उत्तर दे सकता है।

(iii) उत्तरदाता प्रश्नों को गलत रूप में समझकर भी गलत उत्तर दे सकता है। कभी-कभी प्रश्न द्वि-अर्थ वाले होते हैं जो संदेह पैदा कर देते हैं।

2. साक्षात्कारी के कारण उत्पन्न त्रुटियाँ (errors due to interviewer): HYMAN ने साक्षात्कारी द्वारा उत्पन्न दोष को साक्षात्कार का प्रमुख दोष माना है। ये दोष अनेक प्रकार के हो सकते हैं :—

(i) साक्षात्कारी की वेशभूषा, स्वभाव, व्यक्तित्व का उत्तरदाता पर भिन्न-भिन्न प्रभाव पड़ सकता है।

(ii) साक्षात्कारी उत्तरदाता के बारे में कुछ पूर्वधारणा बना लेता है और उसी के अनुसार वह कई त्रुटियाँ करता है। जैसे, कोई प्रश्न नहीं पूछना, उत्तर को गलत रूप में लिखना, आदि।

(iii) साक्षात्कारी की अपनी भावनाएं और प्रत्याशाएं भी उत्तर को दूसरे रंग में प्रस्तुत कर सकती हैं।

संक्षेप में, यह कहा जा सकता है कि साक्षात्कार सामाजिक शोध में एक महत्वपूर्ण विधि है। इसका उपयोग तथ्य-संकलन के प्रधान यंत्र के रूप में भी किया जाता है और एक पूरक यंत्र के रूप में भी। इसके द्वारा स्वयं एवं प्रत्यक्ष रूप से भी तथ्य-संकलन किया जाता है और यह अन्य स्रोतों से प्राप्त तथ्यों की जाँच के लिए भी उपयुक्त होती है। इसके द्वारा अधिक विस्तृत, गहन, संवेदनात्मक तथा विश्वसनीय सूचनाएं प्राप्त होती हैं। सामाजिक अनुसंधान में घनिष्ठ सामाजिक अंतःक्रिया एवं संबंधों पर आधारित होने के कारण यह अधिक [illegible] विधि [illegible] विशेष प्रकार की सूचनाओं की प्राप्ति में भी [illegible]

Scanned with CamScanner

लेकिन, मौखिक प्रत्युत्तर की अपनी सीमा है और फिर उत्तरदाता तथ्यों को गलत रूप दे सकता है। स्वयं साक्षात्कारी भी इन दोषों का उत्तरदायी है। वस्तुतः साक्षात्कार में मानवीय कारक सर्वाधिक प्रमुख दोष का कारण है, जिसे HYMAN ने साक्षात्कारी-त्रुटि (Interviewer error) कहा है। इसका कारण यह भी है कि साक्षात्कार की इन त्रुटियों को साक्षात्कारी की कुशलता एवं प्रशिक्षण से कम किया जा सकता है। साक्षात्कार की कितनी भी वैज्ञानिक योजना क्यों न बना ली जाए, अंततः इसकी सफलता का आधार स्वयं साक्षात्कारी की कुशलता है। साक्षात्कारी एक कलाकार की भाँति साक्षात्कार को सफल मोड़ दे सकता है। उसकी कुशलता, अनुभव, ईमानदारी सभी गुण मिलकर साक्षात्कार के दोषों (errors) को नियंत्रित कर सकते हैं। अंत में जैसाकि LUNDBERG ने लिखा है कि — "अपने विशिष्ट गुणों के कारण साक्षात्कार सामाजिक अनुसंधान की श्रेष्ठतम विधि (tool par excellence) है।"

— x —

[signature]
7/5/2020